an>

Title: Need to regulate the price of cement in the country.

श्री धनंजय महाडीक (कोल्हापुर): धन्यवाद अध्यक्ष जी। पिछले कुछ दिनों से हमारे देश में सीमेंट के रेट बढ़े हैं। जून, 2014 में सीमेंट 4400 रुपये प्रति टन था, जुलाई में उसका रेट बढ़कर 5200 रुपये प्रति टन हो गया। पहले प्रति बैग सीमेंट का दाम 250 रुपये था, उसकी कीमत प्रति बैग 330 रुपये से 350 रुपये बढ़ी है। इसकी वजह से कंस्ट्रक्शन कॉस्ट में तकरीबन 25 प्रतिशत वृद्धि हुई है। अगर सीमेंट का रेट रेल का किराया बढ़ने से बढ़ा है, तो इसे दस रूपये तक बढ़ना चाहिए था, लेकिन यह रेट 80 रुपये तक बढ़ा है। अगर हम एक हजार स्क्वायर फिट एरिया में कंस्ट्रक्शन करते हैं, तो उसमें सीमेंट के लगभग 400 बैग्स लगते हैं। यह जो 80 रुपये प्रति बैग वृद्धि को देखेंगे, तो एक हजार स्क्वायर फिट में कंस्ट्रक्शन पर 32000 से 35000 रुपये तक खर्च बढ़ा है। इसकी वजह से आरएमसी, सीमेंट टाइल्स, कंक्रीट ब्लॉक्स, पेविंग ब्लॉक्स, पैनल बोर्ड्स आदि के भी रेट्स बढ़े हैं। हमें लगता है कि यह ग्रोथ आर्टिफिशियल है, सीमेंट फैक्ट्री-ओनर्स और व्यापारियों की मिलीभगत से सीमेंट के रेट्स बढ़े हैं। हमारी नेशनल एसोसिएशन केडाई ने भी कई बार इसका विरोध किया है। हर आम आदमी का सपना होता है कि उसका एक अपना घर हो। आपकी सरकार ने भी कई बार यह मंशा जताई है कि वर्ष 2022 तक हर आम आदमी का एक घर होगा, लेकिन अगर सीमेंट के रेट्स ऐसे ही बढ़ते रहेंगे, तो यह सपना, एक सपना ही रह जाएगा। इसलिए मेरी सरकार से विनती है कि ऐसा कोई उपाय करें जिससे सीमेंट के रेट का कंट्रोल सरकार के पास हो, न कि सीमेंट फैक्ट्री-ओनर्स और व्यापारियों के हाथ में हो।